No. of Printed Pages : 6

MECE–004

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

(MEC)

Term-End Examination

June, 2024

MECE-004 : FINANCIAL INSTITUTIONS AND MARKETS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from both Sections as per instructions given.*

Section—A

Note : *Answer any* ***two*** *questions from this Section in about* ***500*** *words each.* 2×20=40

1. Bring out the role of financial system in economic development of a country. Describe the main components of a financial system.

2. Discuss the importance of debt and equity share capital as means of raising finance in the capital market. In this context, discuss the Modigliani-Miller hypothesis.

3. What is the need for regulation of capital market in India ? In this context, critically examine the role of Securities and Exchange Board of India.

4. Describe the importance of expected utility in decision-making under concertainty. Explain how risk-aversion influences decision-making.

Section—B

Note : *Answer any* ***five*** *questions from this Section in about* ***250*** *words each.* 5×12=60

5. Describe the importance and functions of merchant banks.

6. Distinguish between futures contract and forward contract.

7. What is meant by convertibility of a currency ? Describe the importance of currency convertibility.

8. Explain the relationship between risk and return of a portfolio.

9. Bring out the basic tenets of expected utility hypothesis.

10. Distinguish between customs union and a free trade area.

11. Describe the functions of the Reserve Bank of India. How does it control credit creation by commercial banks ?

12. Write short notes on any ***two*** of the following :

    (a) Merchant Bank

    (b) Arbitrage Pricing Theory

    (c) Leverage

MECE–004

एम. ए. (अर्थशास्त्र) (एम. ई. सी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.ई.सी.ई.-004 : आर्थिक संस्थाएँ और बाजार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दोनों भागों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

भाग–क

नोट : *इस भाग से किन्हीं* **दो** *प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग* ***500*** *शब्दों में दीजिए।* 2×20=40

1. एक देश के आर्थिक विकास में वित्तीय व्यवस्था की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। वित्तीय व्यवस्था के मुख्य घटकों का वर्णन कीजिए।

2. पूँजी बाजार से वित्त एकत्र करन माध्यम के रूप में ऋण एवं समता अंश पूँजो के महत्व पर चर्चा कीजिए। इस सन्दर्भ में मोदीग्लियानी–मिलर की संकल्पना पर चर्चा कीजिए।

3. भारत में पूँजी बाजार का नियमन क्यों आवश्यक है ? इस संदर्भ में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

4. अनिश्चितता के संदर्भ में निर्णयन में प्रत्याशित उपयोगिता के महत्व का वर्णन कीजिए। समझाइए कि जोखिम विरति किस प्रकार निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करती है।

भाग—ख

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) 250 शब्दों में दीजिए।* 5×12=60

5. व्यापारी बैंकों के महत्व एवं प्रकार्यों का वर्णन कीजिए।

6. 'वायदा' और 'अग्रिम सौदों' में भेद स्पष्ट कीजिए।

7. एक मुद्रा की परिवर्तनशीलता का क्या अर्थ है ? इसके महत्व की व्याख्या कीजिए।

8. एक पत्रक संचय के जोखिम और प्रतिप्राप्ति के बीच सम्बन्ध समझाइए।

9. प्रत्याशित उपयोगिता संकल्पना के आधारिक तत्व स्पष्ट कीजिए।

10. सीमा शुल्क संघ और एक मुक्त बाजार क्षेत्र में भेद स्पष्ट कीजिए।

11. भारतीय रिजर्व बैंक के प्रकार्यों का वर्णन कीजिए। यह व्यावसायिक बैंकों द्वारा साख निर्माण को किस प्रकार नियंत्रित करता है ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए :

    (अ) व्यापारी बैंक

    (ब) अन्तर्पणन कीमत निर्धारण सिद्धान्त

    (स) उद्यामन